SANKALP
Empowering Dreams, Building Future

SANKALP EK PRAYAS

SOCIETY, BHILAI

Monthly Newsletter

जून
2025

जून 2025 में 'प्रोजेक्ट कर्तव्य' ने विस्तार और मजबूती के एक नए चरण में प्रवेश किया। अप्रैल और मई की नींव पर टिके इस महीने में बड़े पैमाने पर टीचर ट्रेनिंग और रणनीतिक प्लानिंग पर जोर दिया गया। जहाँ सीख ने 389 शिक्षकों को ट्रेनिंग और नवोदय इवेंट्स के जरिए सशक्त बनाया, वहीं श्रीजन ने 320+ एजुकेटर्स तक पहुंच बनाकर 'प्रयास' परीक्षा और भूमि पूजन जैसे मील के पत्थर हासिल किए। इसी दौरान, गरिमा ने एडवांस्ड मॉड्यूल्स और नई भर्तियों (गरिमा दीदियों) के साथ भविष्य के विस्तार की योजना को अंतिम रूप दिया।

सपनों को मिली नई उड़ान

दुर्ग में 'सीख' ने किया 40 होनहार नवोदय सितारों का सम्मान

दुर्ग | 10 जून, 2025

दुर्ग जिले में शिक्षा की एक नई अलख जागती दिखाई दे रही है। 'सीख' संस्था द्वारा आयोजित एक भव्य 'नवोदय फेलिसिटेशन प्रोग्राम' में उन 40 प्रतिभावान छात्रों का सम्मान किया गया, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत से जवाहर नवोदय विद्यालय (JNV) प्रवेश परीक्षा में सफलता हासिल की है। कार्यक्रम में छात्रों के साथ-साथ उनके अभिभावक, शिक्षक और समुदाय के लगभग 201 सदस्य इस गौरवपूर्ण क्षण के साक्षी बने।

सम्मान से बढ़ा हौसला

समारोह के दौरान हर चयनित छात्र को सर्टिफिकेट, मेडल, ट्रॉफी और ट्रॉली बैग के साथ मानदेय (Honorarium) प्रदान किया गया। मंच पर जब ये बच्चे अपनी सफलता की चमक लिए पहुंचे, तो पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। यह आयोजन न केवल इन बच्चों की जीत का जश्न था, बल्कि उनके साथियों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत भी बना।

पर्दे के पीछे की मेहनत: फेलोज़ का समर्पण

इस सफलता की कहानी सिर्फ परीक्षा के दिन शुरू नहीं हुई। 'सीख' के फेलोज़ ने जमीनी स्तर पर जाकर यह सुनिश्चित किया कि कोई भी बच्चा प्रशासनिक बाधाओं के कारण पीछे न रह जाए।

- **डोर-टू-डोर कैंपेन :** फेलोज़ ने घर-घर जाकर फॉर्म भरने में परिवारों की मदद की।
- **दस्तावेजीकरण:** जाति प्रमाण पत्र और अन्य आवश्यक कागजात बनवाने में अभिभावकों का मार्गदर्शन किया।
- **भरोसा:** उनके इस समर्पण ने शिक्षा के प्रति माता-पिता के विश्वास को और गहरा कर दिया है।

उम्मीद और बदलाव का नया अध्याय

इस कार्यक्रम ने साबित कर दिया कि जब सही मार्गदर्शन और सामुदायिक सहयोग मिलता है, तो गांव और कस्बों के बच्चे भी आसमान छू सकते हैं। 'सीख' के फेलोज़ आज समुदाय में 'सफलता के कैटलिस्ट' के रूप में उभरे हैं, जो छोटे बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार होने की हिम्मत दे रहे हैं।

"यह सिर्फ एक सम्मान समारोह नहीं, बल्कि एक बदलाव की आहट है। इन बच्चों की सफलता ने पूरे समुदाय का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है।"

— एक स्थानीय कम्युनिटी मेंबर

उम्मीदों की नई उड़ान:
जब 'सीख फेलोस' ने सीखी बदलाव की राह

उतई कार्यालय का वह कमरा सिर्फ एक दफ्तर नहीं, बल्कि भविष्य की नई इबारत लिखने वाली एक प्रयोगशाला बना हुआ था। जून की सुबह जब 23 'सीख फेलोस' वहां जमा हुए, तो उनकी आंखों में एक ही सवाल था— "हम अपने केंद्रों (LRC) के बच्चों के सीखने के अनुभव को और बेहतर कैसे बना सकते हैं?"

नन्हे कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी (पीयर टीचिंग)

प्रशिक्षण के पहले दिन ममता मैम और खंडेराव सर ने एक जादुई मंत्र साझा किया— 'पीयर टीचिंग'। उन्होंने समझाया कि अक्सर एक बच्चा शिक्षक से ज्यादा आसानी से अपने दोस्त की बात समझ जाता है। कहानी शुरू हुई 'शिक्षा मित्र' और 'सह-शिक्षा मित्र' के विचार से। फेलोस को सिखाया गया कि कैसे बच्चों के भीतर छिपे नेतृत्व को बाहर लाना है। नियम सरल था: जो पहले सीखेगा, वह सबको सिखाएगा। इससे न केवल बच्चों में आत्मविश्वास आएगा, बल्कि उनमें सहयोग और संचार जैसे 21वीं सदी के कौशल भी विकसित होंगे। फेलोस ने सीखा कि हर 6 महीने में नेतृत्व की रोटेशन (बदलाव) कर हर बच्चे को आगे बढ़ने का मौका देना है। शाम होते-होते सभी फेलोस के पास अपने केंद्रों के लिए एक स्पष्ट योजना थी।

सपनों का नवोदय (तैयारी की रणनीति)

दूसरे दिन, जून की सुबह एक नई चुनौती लेकर आई— नवोदय प्रवेश परीक्षा। इस बार फेलोस की संख्या 24 हो चुकी थी। लक्ष्य बड़ा था: गाँव के होनहार बच्चों को नवोदय विद्यालयों तक पहुँचाना।

प्रशिक्षण के दौरान चर्चा हुई कि कैसे कक्षा 4 और 5 के बच्चों को अभी से तैयार करना है। "केवल पढ़ाना काफी नहीं है, अभ्यास असली कुंजी है," खंडेराव सर ने जोर देकर कहा। फेलोस ने तय किया कि हर नए पाठ के बाद 20 विशेष प्रश्न हल कराए जाएंगे और हर 15 दिन में एक 'मॉक टेस्ट' लिया जाएगा, ताकि बच्चों के मन से परीक्षा का डर निकल सके। 2023-24 के पुराने प्रश्न पत्रों को 'स्क्रीनिंग' का आधार बनाया गया।

बदलाव का संकल्प

दो दिनों के इस मंथन के बाद, जब फेलोस उतई कार्यालय से बाहर निकले, तो वे सिर्फ प्रतिभागी नहीं थे। वे अब एक मिशन के सिपाही थे। उनके पास न केवल एक टाइमलाइन थी, बल्कि एक सपना भी था— एक ऐसा केंद्र जहाँ बच्चे एक-दूसरे का हाथ पकड़कर आगे बढ़ें और जहाँ से हर साल नवोदय के नए सितारे निकलें।

गरिमा प्रोजेक्ट का विस्तार:
75 नए चेहरों के साथ सशक्त होगी कम्युनिटी फैसिलिटेशन की नींव

महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक नेतृत्व को बढ़ावा देने की दिशा में 'गरिमा' प्रोजेक्ट ने जून के महीने में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अपनी फेलोशिप और कम्युनिटी फैसिलिटेशन आधार को मजबूती देने के लिए चलाए गए हालिया रिक्रूटमेंट ड्राइव के बाद अब जमीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिए नई टीम तैयार है।

चयन प्रक्रिया: गुणवत्ता और निष्पक्षता पर जोर

इस भर्ती अभियान के तहत पांच अलग-अलग जिलों में एक सघन और स्ट्रक्चर्ड सिलेक्शन प्रोसेस अपनाया गया। रिक्रूटमेंट के मुख्य आंकड़े इस प्रकार हैं:

- सघन इंटरव्यू: कुल 99 इंटरव्यू आयोजित किए गए, जिसमें फेलो और गरिमा दीदी दोनों पदों के लिए उम्मीदवारों की योग्यता को परखा गया।
- फेलो चयन: 53 फेलो उम्मीदवारों में से बेहतरीन प्रतिभाओं की पहचान की गई।
- गरिमा दीदी: चयन प्रक्रिया के माध्यम से 46 नई गरिमा दीदियों को पैनल में शामिल किया गया है।

आगामी लक्ष्य: 'मंच' सेशन्स को मिलेगी नई ऊर्जा

इस सफल रिक्रूटमेंट ड्राइव का उद्देश्य आने वाले साइकिल के लिए एक मजबूत वर्कफोर्स तैयार करना है। इस प्रक्रिया से 25 नए फेलो और 50 गरिमा दीदियों के शामिल होने का रास्ता साफ हो गया है। ये नए सदस्य आगामी 'मंच' सेशन्स का नेतृत्व करेंगे, जो समुदाय में संवाद और जागरूकता फैलाने का मुख्य केंद्र हैं।

बैकलॉग एग्जाम: किसी को पीछे न छोड़ने की प्रतिबद्धता

सिर्फ नए लोगों को जोड़ना ही नहीं, बल्कि मौजूदा साथियों का साथ निभाना भी इस प्रोजेक्ट की प्राथमिकता रही है। इसी के तहत:

- सेमेस्टर 3 के लिए स्पेशल बैकलॉग एग्जाम आयोजित किए गए।
- इसका मुख्य उद्देश्य उन फेलोज को अवसर देना था जिनका इवैल्यूएशन किसी कारणवश पेंडिंग था।
- इस पहल से यह सुनिश्चित किया गया कि सभी फेलो अपनी फेलोशिप यात्रा में बिना किसी रुकावट के बराबरी से आगे बढ़ सकें।

"यह रिक्रूटमेंट ड्राइव सिर्फ संख्या बढ़ाने के बारे में नहीं है, बल्कि यह उन आवाजों को सशक्त बनाने के बारे में है जो समाज में बदलाव की वाहक बनेंगी।"

सफलता की ओर बढ़ते कदम:
फैलोशिप प्रोग्राम के चौथे सेमेस्टर की परीक्षा संपन्न

शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में संचालित विशेष फैलोशिप प्रोग्राम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर लिया गया है। इस जून माह में प्रोग्राम के चौथे और अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाओं का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया, जिसमें 'सिख', 'सृजन' और 'गरिमा' प्रोजेक्ट्स के सभी फेलोज ने पूरे उत्साह के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

उत्साहजनक रहा फीडबैक

परीक्षा के उपरांत फीडबैक सत्र के दौरान फेलोज और आयोजकों के बीच गहन चर्चा हुई। चर्चा में यह बात उभरकर सामने आई कि प्रश्न पत्र न केवल संतुलित थे, बल्कि वे पूरे पाठ्यक्रम और व्यावहारिक ज्ञान का सटीक प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

फेलोज ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए बताया कि:

- **प्रश्नों का स्तर :** प्रश्न पत्र बहुत ही प्रभावशाली और 'यूज़र-फ्रेंडली' तैयार किए गए थे।
- **प्रयास :** अधिकांश प्रतिभागियों ने समय रहते सभी प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखे।
- **तैयारी :** प्रोग्राम के दौरान दी गई ट्रेनिंग ने उन्हें कठिन सवालों के जवाब देने में काफी मदद की।

चार सेमेस्टर का सफर

यह फैलोशिप प्रोग्राम कुल चार सेमेस्टर में विभाजित था, जिसका उद्देश्य फेलोज को आत्मनिर्भर बनाना और उनके संबंधित क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्रदान करना था। अंतिम सेमेस्टर की यह परीक्षा फेलोज के दो साल (या निर्धारित अवधि) के कड़े परिश्रम, शोध और फील्ड वर्क का निचोड़ थी।

भविष्य की राह

परीक्षा संपन्न होने के बाद अब इन फेलोज के मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। 'सिख, सृजन और गरिमा' जैसे प्रोग्राम्स का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व क्षमता और सामाजिक समझ विकसित करना है। फेलोज के चेहरों पर दिखी मुस्कान और आत्मविश्वास इस बात का प्रमाण है कि यह बैच भविष्य की चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्रोग्राम के समन्वयकों ने सभी फेलोज को उनकी मेहनत के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है

मेरे प्रिय साथियों,

जून 2025 का यह महीना 'प्रोजेक्ट कर्तव्य' के लिए रणनीतिक विस्तार और सफलताओं के उत्सव का रहा है। दुर्ग में 'सीख' द्वारा आयोजित भव्य समारोह में 40 नवोदय सितारों का सम्मान और उनके परिवारों की भागीदारी हमारे जमीनी संघर्ष की जीत है। इसी कड़ी में, उतई में आयोजित फेलो ट्रेनिंग के माध्यम से हमने 'पीयर टीचिंग' और 'शिक्षा मित्र' जैसे नवाचारों को अपनाया, ताकि हर बच्चा नेतृत्व सीख सके। शिक्षा के इस मिशन को मजबूती देने के लिए 'गरिमा' प्रोजेक्ट के तहत 5 जिलों में चलाए गए भर्ती अभियान से 46 नई 'गरिमा दीदियों' और 25 फेलोज का जुड़ना हमारे बढ़ते प्रभाव का प्रमाण है।

इस माह हमारे फेलोज ने अपने चौथे सेमेस्टर की अंतिम परीक्षा भी सफलतापूर्वक संपन्न की, जो उनके दो वर्षों के कड़े परिश्रम और फील्ड वर्क का निचोड़ है। जहाँ 'सृजन ' ने 'प्रयास' परीक्षा और भूमि पूजन जैसे मील के पत्थर हासिल किए, वहीं ट्रेनिंग और एडवांस मॉड्यूल्स ने हमारी भविष्य की नींव को और पुख्ता किया है। मुझे गर्व है कि भीषण गर्मी में भी आप सभी के संकल्प ने छत्तीसगढ़ के हजारों परिवारों तक डिजिटल समावेशन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुँचाने के हमारे एकीकृत मॉडल को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है। आइए, इसी ऊर्जा के साथ हम नए कीर्तिमान स्थापित करें।

परिमल सिन्हा,
संस्थापक- संकल्प एक प्रयास

हमारे सहयोगी संस्थाएं

Caring Friends – Helping Good NGOs Perform Better – MUMBAI
SARDA – SARDA ENERGY & MINERALS LTD.
DONATEKART
Arpan Foundation
Asha for Education – Bringing hope through education
muktangan – learning & growing together
आविष्कार – गणित-विज्ञान की एक प्रयोगशाला – Aavishkaar – Center for Science, Math, Arts and Technology
phf Paul Hamlyn Foundation
INVOLVE – Building Tomorrow
VIKAS SAMVAD
अध्ययन ADHYAYAN

SANKALP – Empowering Dreams, Building Future

SANKALP EK PRAYAS
SOCIETY, BHILAI

Sankalp ek prayas, Virat Nagar, Utai, Durg (C.G.)
Email : sankalpekprayas@gmail | Web : www.sankalpekprayas.org

Follow us on : @SankalpEkPrayas-s4i @SANKALPEK_PRAYAS